

प्रेषक,

डा० एस०एस० सन्धु,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्रबन्ध निदेशक,
यूजेवीएन लि०,
देहरादून।

ऊर्जा अनुभाग-2.

देहरादून: दिनांक: 16 मार्च, 2012

विषय:-

वित्तीय वर्ष 2011-12 की प्रथम एवं द्वितीय तिमाही में ए0डी0बी0 वित्त पोषित परियोजनाओं में पूंजीगत व्यय हेतु धनराशि की मांग के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक यूजेवीएन लि० के पत्र संख्या: 2165, दिनांक 02.12.2011 तथा शासनादेश संख्या 359/II(2)/2011-04(3)/39/2006, दिनांक 15.02.2011 के अनुक्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि ए०डी०बी० सहायतित जल विद्युत परियोजनाओं कालीगंगा-I, कालीगंगा-II, मध्यमहेश्वर एवं काव्दीगाड़ के निर्माण हेतु ए०डी०बी० से प्राप्त/प्राप्त होने वाले ऋण के सापेक्ष ₹ 29,10,00,000.00 (₹ उन्नीस करोड़ दस लाख मात्र) की धनराशि व्यय करने के लिए आपके निर्वर्तन पर रखने की श्री राज्यपाल निम्न प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- (i) उक्त स्वीकृत धनराशि का आहरण बिलों पर जिलाधिकारी के प्रतिहस्ताक्षर के उपरान्त ही किया जायेगा।
- (ii) स्वीकृत की जा रही धनराशि परियोजनावार फॉट निम्नानुसार है:-

(धनराशि लाख रुपये में)

क्र० सं०	योजना का नाम	ए०डी०बी० से प्राप्त/प्राप्त होने वाली धनराशि के सापेक्ष ऋण के रुप में दी जा रही धनराशि
1	2	4
1	कालीगंगा-प्रथम	410.00
2	कालीगंगा-द्वितीय	500.00
3	मध्यमहेश्वर	1250.00
4	काल्दीगाड़	750.00
	कुल योग	2910.0

- (iii) अवमुक्त की जा रही धनराशि का किसी भी स्थिति में अन्यत्र विचलन न किया जाय। स्वीकृत धनराशि का आवश्यकतानुसार ही आहरण किया जाय, साथ ही स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष यदि किसी कारण से कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उसे दिनांक 30.03.2012 तक शासन को समर्पित कर दिया जायेगा।
- (iv) स्वीकृत की जा रही धनराशि से सम्पादित कराये जाने वाले कार्यों के विस्तृत प्राक्कलन तैयार कर सक्षम स्तर से प्रशासनिक एवं तकनीकी स्वीकृति प्राप्त कर ली जाय, तदोपरान्त ही धनराशि का व्यय किया जायेगा।
- (v) उक्त धनराशि का उपभोग दिनांक 30.03.2012 तक कर इसके प्रतिपूर्ति दावे तत्काल ए0डी0बी0 को प्रस्तुत कर दिये जायें तथा ए0डी0बी0 से धनराशि की प्रतिपूर्ति कराये जाने की प्रभावी कार्यवाही की जाय। धनराशि का योजनावार उपभोग प्रमाण पत्र एवं भौतिक एवं वित्तीय प्रगति का विवरण शासन को उपलब्ध कराया जाय। ए0डी0बी0 से प्राप्त ऋण की किश्तों का आहरण निर्धारित समय सारिणी के अनुसार समय से करा लिया जाय तथा योजनाओं का क्रियान्वयन भी निर्धारित समय में पूर्ण किया जाय।

- (vi) स्वीकृत की जा रही धनराशि के सापेक्ष सम्बन्धित कार्यों को सम्पन्न करने तथा भुगतान करने हेतु सभी वित्तीय नियमों की परिपालना सुनिश्चित की जायेगी।
- (vii) व्यय करते समय बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली विषयक नियम एवं मितव्ययता के विषय में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों का पालन करते हुये व्यय किया जायेगा।
- (viii) योजनाओं हेतु पूर्व में अवमुक्त धनराशि व वर्तमान में आवंटित की जा रही धनराशि योजना हेतु कुल स्वीकृत लागत के अन्तर्गत ही रहेगी।
- (ix) अवमुक्त की जा रही धनराशि के सापेक्ष शीघ्र ही ए0डी0बी0 से प्रतिपूर्ति प्राप्त कर ली जाय।
- (x) ऋण अंश के अन्तर्गत पूर्व में तथा वर्तमान आदेश से अवमुक्त की गई/की जा रही धनराशि के सापेक्ष मूलधन एवं ब्याज की वापसी इस सबध में भारत सरकार द्वारा सूचित/परियोजना हेतु निर्धारित दरों एवं समय सारिणी के अनुसार की जायेगी।
- 2- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2011-12 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या 21, 30 एवं 31 के अन्तर्गत संलग्नक 'क' में उल्लिखित संगत लेखाशीर्षकों के नामें डाला जायेगा।

3- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 42/XXVII(2)/2012, दिनांक 15 मार्च, 2012 द्वारा प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक- यथोक्त।

भवदीय,

(डा0 एस0एस0 सन्धु)
सचिव

संख्या: 524(12)/1(2)/2012-04(3)/39/06, तदिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को उपरोक्त वर्णित संलग्न सहित सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड।
- 2- प्रमुख सचिव, मुख्यमंत्री को मा0 मुख्यमंत्री जी के संज्ञानार्थ।
- 3- जिलाधिकारी, देहरादून।
- 4- निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तराखण्ड, 23 लक्ष्मी रोड़, देहरादून।
- 5- कोषाधिकारी, देहरादून।
- 6- वित्त अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन।
- 7- नियोजन विभाग/समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड शासन।
- 8- बजट निदेशालय।
- 9- प्रभारी, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर।
- 10- विशेष सैल, ऊर्जा।
- 11- चीफ प्रोजेक्ट मैनेजर, पी0एम0ओ0 (ए0डी0बी0)।
- 12- गार्ड फाईल हेतु।

संलग्नक- यथोक्त।

आज्ञा से,

(संजीव कुमार शर्मा)
अनु सचिव

(धनराशि लाख रुपये में)

क्र०सं०	अनुदान संख्या	लेखाशीर्षक	धनराशि
1	21	6801-बिजली परियोजनाओं के लिये कर्ज-01-जल विद्युत उत्पादन-आयोजनागत 190-सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों और अन्य उपक्रमों में निवेश 97-बाह्य सहायतित योजना-01-जल विद्युत परियोजनाओं हेतु बाह्य सहायता (ए0डी0बी0)-30-निवेश/ऋण।	₹ 2298.90
2	30	6801-बिजली परियोजनाओं के लिये कर्ज-01-जल विद्युत उत्पादन-आयोजनागत 190-सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों और अन्य उपक्रमों में निवेश 97-बाह्य सहायतित योजना-01-जल विद्युत परियोजनाओं हेतु बाह्य सहायता (ए0डी0बी0)-30-निवेश/ऋण।	₹ 523.80
3	31	6801-बिजली परियोजनाओं के लिये कर्ज-01-जल विद्युत उत्पादन-आयोजनागत 190-सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों और अन्य उपक्रमों में निवेश 97-बाह्य सहायतित योजना-01-जल विद्युत परियोजनाओं हेतु बाह्य सहायता (ए0डी0बी0 से प्राप्त)-30-निवेश/ऋण।	₹ 87.30
कुल धनराशि			₹ 2910.00

(₹ उन्नीस करोड़ दस लाख मात्र)

(संजीव कुमार शर्मा)
अनु सचिव